जीव विज्ञान की किताबें और सृष्टिवाद

संयुक्त राज्य अमेरिका में जैव विकास के आधुनिक सिद्धांत और सृष्टिवाद का विवाद बरसों से चला आ रहा है। जहां जैव विकास के सिद्धांत की मूल मान्यता है कि जीवों का क्रमिक विकास अरबों सालों में प्राकृतिक चयन के फलस्वरूप हुआ है, वहीं सृष्टिवादी मानते हैं कि ईश्वर ने एकबारगी सारे जीवों की रचना कर दी है। इस विवाद का ताज़ा प्रकरण संयुक्त राज्य अमेरिका के टेक्सास प्रांत में सामने आया है।

जैव विकास बनाम सृष्टिवाद का विवाद यूएस के विभिन्न प्रांतों में अलग-अलग रूपों में नज़र आता है। कहीं यह कानूनी लड़ाई का रूप लेता है, तो कहीं पालकों के विरोध प्रदर्शन का। दिसंबर 2013 में टेक्सास प्रांतीय शिक्षा मंडल के समक्ष यह मामला विचार के लिए प्रस्तुत किया गया था। एक अनाम व्यक्ति ने प्रांत की जीव विज्ञान की पाठ्य पुस्तकों की समीक्षा करके बताया था कि उनमें कई तथ्यात्मक गलतियां हैं जिन्हें सुधारा जाना चाहिए। दरअसल ये सारे वे तथ्य थे जिन्हें सृष्टिवादी अस्वीकार करते हैं।

इस मामले को सुलझाने के लिए शिक्षा मंडल ने तीन जीव वैज्ञानिकों की एक समिति का गठन किया था। बताते हैं कि समिति ने एकमत से कहा कि उन्हें पाठय पुस्तकों में कोई तथ्यात्मक गलती नहीं मिली है और परिवर्तन की कोई ज़रूरत नहीं है। इस समिति की रिपोर्ट के आधार पर शिक्षा मंडल ने उपरोक्त समीक्षा को खारिज कर दिया।

मंडल के निर्णय का अर्थ है कि जीव विज्ञान की ये पाठ्य पुस्तकें अगले दस सालों तक चलेंगी। यदि टेक्सास में सृष्टिवादी जीत जाते तो आशंका थी कि वे अन्य प्रांतों में भी दबाव बनाएंगे।

वैसे प्रांतीय शिक्षा मंडल के स्तर पर तो जैव विकास को मान्य करके सृष्टिवाद को अस्वीकार किया गया है मगर यूएस में सृष्टिवादी विचारधारा का काफी बोलबाला है। मसलन, यूएस के पचास प्रांतों में 2000 वयस्कों की एक रायशुमारी में पता चला कि 33 प्रतिशत लोग जैव विकास के विचार से असहमत हैं और 60 प्रतिशत इसका समर्थन करते हैं। यह रायशुमारी वॉशिंगटन के प्यू रिसर्च सेंटर द्वारा करवाई गई थी।

रायशुमारी में एक मज़ेदार बात पता चली है। जहां मत विभाजन की स्थिति तो लगभग 2009 में किए गए सर्वेक्षण के समान ही रही मगर यह विभाजन थोड़ा राजनैतिक रूप लेता नज़र आ रहा है। जो लोग डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवारों या स्वतंत्र उम्मीदवारों को वोट देते हैं उनमें से दो-तिहाई मानते हैं कि जीवों का क्रमिक विकास हुआ है। दूसरी ओर रिपब्लिकन पार्टी के मतदाताओं में से 2009 में 54 प्रतिशत और 2013 में 43 प्रतिशत ही जैव विकास को स्वीकार करते हैं। ***(स्रोत फीचर्स)***